संपादकीय

कैसे रुके नफरत

दिल्ली और एनसीआर के कई स्कूलों ने भारत-पाक तनाव के मद्देनजर सोशल मीडिया पर चल रहे नफरत भरे अभियानों के दुष्प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिए खास पहल की है। उन्होंने पैरंट्स से कहा है कि वे बच्चों से इस बारे में बात करें। अगर बच्चों के मन में कोई सवाल है तो वे उसका जवाब जरूर दें और उन्हें विस्तार से उस संबंध में जानकारी दें। संभव है बच्चे सोशल मीडिया पर प्रचारित किसी गलत तथ्य को सही मान बैठे हों। अभिभावकों को उन्हें सचाई से अवगत कराना चाहिए। मुमकिन है किसी दुष्प्रचार से किसी बच्चे के भीतर डर बैठ गया हो, हताशा पैदा हो गई हो या किसी समुदाय के प्रति नफरत का भाव भर गया हो। ऐसे में अभिभावक को चाहिए कि वह बच्चे में विवेकपूर्ण दृष्टि पैदा करें। कई स्कूलों में तो शिक्षक भी यह काम कर रहे हैं। कुछ स्कूलों ने तो बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रहने को कहा है।

हालांकि यह संभव नहीं है। आज के बच्चे इसी के साथ बड़े हुए हैं। वह इसी के शिल्प में संवाद करते हैं। लेकिन वे इसके खेल को नहीं समझ पाते। उनका कोमल मन झूठ और सच में आसानी से अंतर नहीं कर पाता और वह सोशल मीडिया की किसी कपोलकल्पना को अपनी धारणा बना लेता है। पुलवामा में आतंकी हमला होने के बाद सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लैटफॉर्म पर नफरत भरी टिप्पणियां और तस्वीरें आने लगीं। भारत के एयर स्ट्राइक के बाद तो इसकी बाढ़ सी आ गई। न सिर्फ पाकिस्तान बल्कि अपने ही देश के कुछ समुदायों के प्रति जहर उगलने का सिलसिला शुरू हो गया जो अब भी नहीं थमा है।

इस म में न सिर्फ मर्यादा की सीमाएं लांघी गईं बल्कि ऐतिहासिक तथ्यों की भी धज्जियां उड़ाई गई हैं। सरकार के बयानों को भी तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। कई गड़े मुर्दे उखाड़े गए। राजनेताओं का मजाक उड़ाया गया। उनकी अभद्र तस्वीरें डाली गईं। अगर किसी ने युद्ध के विरोध में कुछ कहा या भारत-पाक दोस्ती की बात की तो उसके खिलाफ गालियों की बौछार शुरू हो गई। ऐसा लगता है कि अनपढ़ और कुंठितों की एक फौज सोशल मीडिया पर कुंडली मारकर बैठ गई है। लेकिन ऐसे लोगों के अलावा सोशल मीडिया पर एक तबका ऐसा भी है जो अपने निहित स्वार्थ के लिए जहर के बीज बो रहा है। दुर्भाग्य से पढ़े-लिखे समझदार लोग भी उनकी बातों में आ जाते हैं। लेकिन नई पीढ़ी को उनसे बचाना होगा।

आज ऐसे नागरिक तैयार करने की जरूरत है जो विवेकवान हों, जिनके पास वैज्ञानिक नजरिया हो और जो तर्क की कसौटी पर हर तथ्य को परखते हों। सोशल मीडिया पर नियंत्रण की कोशिशें कई स्तरों पर चल रही हैं। पर सबसे ज्यादा जरूरी है जागरूकता फैलाने की। इस दृष्टि से दिल्ली और एनसीआर के कुछ स्कूलों की पहल महत्वपूर्ण है। देश के अन्य स्कूलों को इस दिशा में सोचना चाहिए।

चीन बढ़ाने जा रहा है अपना डिफेंस बजट, इतना अरब डॉलर करेगा खर्च

नई दिल्ली। अमेरिका के बाद रक्षा पर सबसे अधिक खर्च करने वाले चीन ने इस मद में भारी आवंटन का सोमवार को बचाव किया. साथ ही उसने इस वर्ष रक्षा बजट को और अधिक बढ़ाये जाने का इशारा किया और कहा कि उसने किसी अन्य देश के लिए कोई 'खतरा' उत्पन्न नहीं किया है. चीन ने पिछले साल अपने रक्षा बजट में 8.1 प्रतिशत तक का इजाफा किया था. इससे रक्षा क्षेत्र पर उसका व्यय बढ़कर 175 अरब डॉलर हो गया, जो भारत की तुलना में तीन गुना

अधिक है. वहीं उम्मीद है कि चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग मंगलवार को नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) के वार्षिक सत्र के दौरान अपने कामकाज के ब्योरे में सटीक आंकड़ों की घोषणा करेंगे. हालांकि एनपीसी के प्रवक्ता झांग येसुई ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में संकेत दिया कि चीन रक्षा पर भारी खर्च जारी रखेगा. उन्होंने कहा कि देश के रक्षा व्यय में बढ़ोत्तरी कई अन्य 'प्रमुख विकासशील देशों' की तुलना में कम है. झांग ने कहा, 'कोई देश किसी अन्य देश के लिए सैन्य खतरा है या नहीं, इसका आकलन रक्षा खर्च में बढ़ोत्तरी से नहीं बल्कि उसकी विदेश और राष्ट्रीय रक्षा नीति के आधार पर किया जाना चाहिए.' भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2018-19 में रक्षा बजट के लिए 2.95 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए हैं जो पिछले साल के 2.74 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 7.81 फीसदी ज्यादा है. 1 फरवरी को पेश आम बजट में कुल रक्षा बजट के तहत सेना के तीनों अंगों के लिए नए हथियारों, विमानों, जंगी जहाजों और अन्य सैन्य साजो-सामान की खरीद के लिए 99,947 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई है. रक्षा बजट 2018-19 के लिए निर्धारित कुल 24,42,213 करोड़ रुपए के आवंटन का 12.10 प्रतिशत है.

देशभर में एक कार्ड से कर सकेंगे शॉपिंग और सफर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 'एक देश एक कार्ड' योजना की शुरुआत की। इससे आप पैसे भी निकाल पाएंगे, शॉपिंग कर पाएंगे और किसी भी मेट्रो या ट्रांसपोर्ट के अन्य साधन में इस कार्ड का इस्तेमाल कर सकेंगे। अभी यह कार्ड अहमदाबाद में ही चलेगा। जल्द ही देश के अन्य हिस्सों में भी लागू किया जाएगा। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि कई प्रयासों के बाद अब देश में 'एक देश-एक कार्ड' का सपना सच होने जा रहा है। मोदी ने कहा कि इस नेशनल कॉमन मोबेलिटी कार्ड से आप पैसे भी निकाल पाएंगे। यह यात्रा करते समय

आपकी तमाम दिक्कतों को दूर करेगा।

स्मार्ट कार्ड की तरह होगा

यह एक स्मार्ट कार्ड डेबिट-क्रेडिट कार्ड की तरह होगा। क्रेडिट और डेबिट कार्ड में एक खास फीचर जोड़ा जाएगा। बैंक द्वारा अब जो भी नए डेबिट और क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे उनमे नेशनल कॉमन मोबेलिटी कार्ड फीचर होगा। इसका इस्तेमाल दिल्ली मेट्रो में भी किया जा सकेगा।

पराली जलाने से इतने लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। उत्तर भारत में पराली जलाने के कारण पैदा होने वाले वायु प्रदूषण से श्वसन संक्रमण का खतरा का काफी अधिक बढ़ रहा है और साथ ही इससे सालाना 30 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान भी हो रहा है. अमेरिका के इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टिट्यूट और सहयोगी संस्थानों के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया है कि पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण के कारण उत्तर भारत के

विभिन्न जिलों में रहने वालों में एक्यूट रेसपिरेटरी इन्फेक्शन (एआरआई) का खतरा बहुत अधिक होता है. इस अध्ययन में कहा गया है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में इस संक्रमण का खतरा सर्वाधिक होता है.इस अनुसंधान के जरिए पहली बार उत्तर भारत में पराली जलाने से स्वास्थ्य एवं अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नुकसानों का अध्ययन किया गया है.

फ्री डिश वालों के लिए बुरी खबर, अब देना होगा इतना चार्ज

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा हाल ही में जारी की गई नई गाइडलाइंस की वजह से टीवी दर्शकों और ब्रॉडकास्टर्स पर काफी बड़ा असर पड़ा है। इससे ग्राहकों का बिल पहले के मुक़ाबले में और बढ़ गया है तथा अब सभी चैनलों की एक तय कीमत हो गई है। इसका सबसे ज्यादा असर डीडी फ्री डिश

देखने वाले टीवी दर्शकों पर पड़ा है। ट्राई के इस नियम के आने के बाद कई सारे ब्रॉडकास्टर्स डीडी फ्री डिश से अपने चैनल्स को हटाने लगे हैं और अब दर्शको को डीडी फ्री डिश पर पहले की तुलना में कम चैनल्स देखने को मिलेंगे तो आईये जानते हैं कि अब आप डीडी फ्री डिश पर कौन-कौन से चैनल नहीं देख पाएंगे। दूरदर्शन की फ्री डिश सेवा अब काफी मुश्किल में पड़ने वाली है क्योंकि कई सारे ब्रॉडकास्टर्स अपने चैनल डीडी फ्री डिश से हटा रहे हैं।

ट्विटर 'हाइड रिप्लाई' फीचर विकसित कर रहा, आया ये नया फीचर

नई दिल्ली। माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर यूजर्स को अनावश्यक बातचीत की निगरानी पर ज्यादा नियंत्रण देने के उद्देश्य से 'हाइड रिप्लाई' नामक एक फीचर विकसित कर रही है. वरिष्ठ उत्पाद प्रबंधक मिशेल यास्मीन हक ने गुरुवार को ट्वीट किया, ट्विटर पर मनोरंजक बातचीत शुरू करने वाले लोग हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं, और हम उन्हें उनके द्वारा शुरू की गई बातचीत को स्वस्थ बातचीत बनाए रखने के लिए सशक्त करना चाहते हैं. हक ने कहा, इस फीचर से, कोई बातचीत शुरू करने वाले व्यक्ति के पास अपने ट्वीट पर आए रिप्लाई को हाइड करने की सुविधा होगी. ये हाइड किए गए रिप्लाई मीनू ऑप्शन से देखे जा सकेंगे. उन्होंने कहा, आगामी कुछ महीनों में, हम इसका सार्वजनिक परीक्षण करने की योजना बन रहे हैं.

इन दो देशों के बीच होगा वर्ल्ड कप 2019 का फाइनल- सुनील गावस्कर

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान और लीजेंड ओपनर सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारत इंग्लैंड में 30 मई से होने वाले विश्व कप में खिताबी जीत हासिल करेगा। गावस्कर ने एक सम्मेनल के दौरान कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि भारत 100 फीसदी विश्व कप जीतेगा। भारत का फाइनल में पहुंचना तो तय है। इसके साथ सुनील गावस्कर ने भविष्यवाणी की है कि वर्ल्ड कप में फाइनल मुकाबल भारत और इंग्लैंड के बीच होगा। इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में गावस्कर ने कहा, फाइनल मुकाबला भारत और इंग्लैंड के बीच होगा। इस वर्ल्ड कप में विराट कोहली के लिए सबसे खास बात यह होगी कि महेंद्र सिंह धौनी उनके पास होंगे। धौनी का होना, विराट कोहली का सबसे बड़ा प्लस प्वाइंट है।

आज का राशिफल

मेषः काफी संघर्ष के बाद आज आपको परेशानियों से कुछ राहत मिलेगी। धीरे-धीरे आपका भाग्य साथ देगा। बढ़ते हुए आर्थिक कष्ट से मुक्ति मिलेगी। छोटे-मोटे पार्ट टाइम कारोबार क लिए समय निकालना आसान रहेगा।

वृषभः आज आपके परिवार में किसी शुभ मांगलिक कार्य के आयोजन की चर्चा चलेगी। अपने जीवन स्तर को सुधारने के लिए फिलहाल आपको स्थाई प्रयोग में आने वाली वस्तुओं की खरीदारी करनी चाहिए।

मिथुनः आज आपका समय तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी अप्रत्याशित उन्नति के देखकर सभी हैरान होंगे। स्वयं आपकी नजर भी अपनी उपलब्धियों पर लग सकती है।

कर्कः आज का दिन बहन-भाई की चिंता में व्यतीत हो सकता है। क्योंकि आप हमेशा ही अपने परिवार की सलामती के लिए कटिबद्ध रहते हैं।

सिंहः आज आपको कारोबार की चिंता परेशान कर सकती है क्योंकि काफी दिनों से व्यवसाय नियमित नहीं है। नौकरी-व्यवसाय आदि के क्षेत्र में आप पूर्ण सुधार चाहते हैं तो आपको आलस्य व आराम को त्यागना पड़ेगा।

कन्याः आर्थिक मसलों में सोच-समझकर किए गए निवेश फायदा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको थोड़ा सोच समझकर ही कोई भी फैसला लेना चाहिए।

तुलाः आज आप अकारण ही चिंतित और परेशान हो सकते हैं। सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में विरोधियों की भीड़ आपके सामने खड़ी हो सकती है।

वृश्चिकः आज जमीन-जायदाद से संबंधित विवाद में हानि हो सकती है। भौतिक सुख के साधनों की वृद्धि होगी। आर्थिक उन्नति के बहुत सारे अवसर आपको मिलते रहेंगे। कोई युवा व्यक्ति सामने आकर आपकी मदद कर सकता है।

धनुः आज आपको किसी नए संपर्क से लाभ मिलेगा। रिसर्च का फायदा मिल सकता है। रूका हुआ धन मिलेगा, रोजमर्रा के कामों में कोताही न बरतें। व्यावसायिक उन्नति से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मकरः आज सामाजिक, धार्मिक कार्यों में भाग लेते रहने के कारण आपका सम्मान बढ़ेगा। ग्रहचाल भाग्य विकास में सहायक है। खरीद-फरोख्त के व्यवसाय में लाभ होगा। शुभ समाचार भी दिनभर प्राप्त होते रहेंगे। व्यर्थ के झंझटों से बचे रहें।

कुंभः अधिकारियों की घनिष्टता से लाभ उठाने का सुअवसर आज दिनभर बना रहेगा। आयात-निर्यात के व्यवसाय आरम्भ का निर्णय भी आज हो सकता है। आध्यात्म और धर्म में रूचि बढ़ेगी।

मीनः उन्नति के क्षेत्र में कई मार्ग खोलेगा। अध्ययन व अध्यात्म में रूचि बढना स्वाभाविक है। किसी को आज रूपया उधार न दें वापिस नहीं मिलेगा। माता-पिता गुरू की सेवा देवपूजन में ध्यान लगाना न भूलें।

वास्तु में भी घर के मंदिर से संबंधित कुछ विशेष बातें ध्यान रखी जाती हैं

घर में पूजा स्थल यानी मंदिर होना अच्छा होता है। इससे घर में हमेशा पॉजीटिव एनर्जी बनी रहती है। हिंदू धर्म में पूजा व पूजा स्थल से संबंधित अनेक बातें बताई हैं। इन बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। ऐसा होने से शुभ फल मिलते हैं। वास्तु में भी घर के मंदिर से संबंधित कुछ विशेष बातें ध्यान रखी जाती हैं। ये बातें इस प्रकार हैं.

1. पूजा घर में भगवान श्रीगणेश, लक्ष्मी व सरस्वती की खड़ी मूर्तियां न रखें। इनकी बैठी मूर्तियों की ही पूजा

करनी चाहिए।

अगर पूजा घर छोटा हो तो वहां अधिक मूर्तियां न रखें। रोज पूजा घर की सफाई करें। संभव न हो तो समय-समय पर सफाई करते रहना चाहिए।

पूजा स्थल के आस- पास अग्नि संबंधी उपकरण जैसे- इन्वर्टर या विद्युत मोटर आदि नहीं होना चाहिए।

पूजा करने वाले का मुंह पश्चिम में हो तो शुभ रहता है,इसके लिए पूजा स्थल का द्वार पूर्व की ओर होना चाहिए।

पूजा घर के आस-पास शौचालय नहीं होना चाहिए। सामने थोड़ा स्थान खुला होना चाहिए,जहां बैठा जा सके।

पूजा स्थल के ऊपर टाण्ड न बनाएं और यदि हो भी तो उसे साफ-सुथरी रखें। कोई कपड़ा या गंदी वस्तुएं वहां न रखें। पूजा घर में हमेशा धीमी रोशनी ले बल्ब लगाना चाहिए। वहां अंधेरा व सीलन नहीं होना चाहिए।

संजय मांजरेकर ने वनडे मैच को लेकर दिया ऐसा बयान, फैंस ने यूं किया ट्रोल

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर और मशहूर कमेंटेटर संजय मांजरेकर अपने बयानों को लेकर अक्सर क्रिकेट प्रेमियों की आलोचना का शिकार बनते हैं. भारत के लिए 37 टेस्ट और 74 वनडे मैच खेलने वाले मांजरेकर वनडे क्रिकेट के फॉर्मेट पर सवाल उठाकर फिर फैंस के निशाने पर आ गए हैं. दरअसल, 53 वर्षीय मांजरेकर एक ट्वीट करके कहा था कि मुझे हमेशा लगता है कि 50 ओवर का फॉर्मेट 10 ओवर ज्यादा लंबा है. मांजरेकर की राय में वनडे क्रिकेट 50 की जगह पर 40-40 ओवर का होना चाहिए. भारत-ऑस्ट्रेलिया के पहले वनडे के दौरान उन्होंने यह कमेंट किया था. मांजरेकर का यह ट्वीट क्रिकेटप्रेमियों को रास नहीं आया और उन्होंने टीम इंडिया के इस पूर्व क्रिकेटर को ट्रोल करना शुरू कर दिया.

केन विलियमसन छीन सकते हैं विराट कोहली नंबर-1 का ताज

नई दिल्ली। विराट कोहली की टेस्ट क्रिकेट में नंबर एक बल्लेबाजी रैंकिंग पर खतरा मंडराने लगा है. न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन उनके काफी करीब पहुंच गए हैं. बांग्लादेश के खिलाफ बाकी बचे दो टेस्ट मैचों में अच्छा प्रदर्शन जारी रखने पर वह भारतीय कप्तान को शीर्ष स्थान से हटा सकते हैं. कोहली अभी टेस्ट के अलावा वनडे में भी नंबर एक बल्लेबाज हैं.28 साल के विलियमसन ने बांग्लादेश के खिलाफ हेमिल्टन में खेले गये पहले टेस्ट मैच में नाबाद 200 रन बनाए थे, जिससे उन्हें 18 रेटिंग अंकों का फायदा हुआ.

चीज़ रिंग्स बनाने की विधि जानिए

सामग्री :
50 ग्राम टमाटर
100 ग्राम शिमला मिर्च
40 ग्राम प्याज
50 ग्राम पनीर(पिसा हुआ)
30 ग्राम मोजेरिला चीज
1 टेबलस्पून धनिया
1/2 टीस्पून अजवायन की पत्ती
1/2 टीस्पून काली मिर्च
1/2 टीस्पून नमक
2 टेबलस्पून केचअप
80 ग्राम बटर
1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट
1/4 टीस्पून चिली फ्लेक्स
ब्रेड स्लाइस

बनाने की विधि : सबसे पहले एक बाउल में 50 ग्राम टमाटर, 100 ग्राम शिमला मिर्च, 40 ग्राम प्याज, 50 ग्राम पनीर(पिसा हुआ), 30 ग्राम मोजेरिला चीज, 1 टेबलस्पून धनिया, 1/2 टीस्पून अजवायन की पत्ती, 1/2 टीस्पून काली मिर्च, 1/2 टीस्पून नमक और 2 टेबलस्पून केचअप डालकर अच्छे से मिला लें। अब एक दूसरे बाउल में 80 ग्राम बटर,1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट और 1/4 टीस्पून चिली फ्लेक्स डाल अच्छे से मिला लें।अब एक ब्रेड स्लाइस लें और उसे गोल आकार में काट लें। अन्य ब्रेड स्लाइस लेकर उसे भी गोल आकार में काट लें और दोबारा कूकी कटर के साथ उसे बीच में से काटें। अब ऐसे ही बाकी की ब्रेड रिंग्स तैयार करें। इसके बाद बड़ी आकार में कटी हुई ब्रेड स्लाइस पर लहसुन बटर का पेस्ट लगाएं। बाद में इसपर ब्रेड रिंग रख दें। अब इसके बीच में तैयार किए सब्जियों के मिश्रण को भर दें। फिर ओवन में 350एस/180एच के तापमान पर इन्हें 8-10 मिनट के लिए बेक करें।

शब्द सामर्थ्य-97

बाएं से दाएं
1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे
1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचवां हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

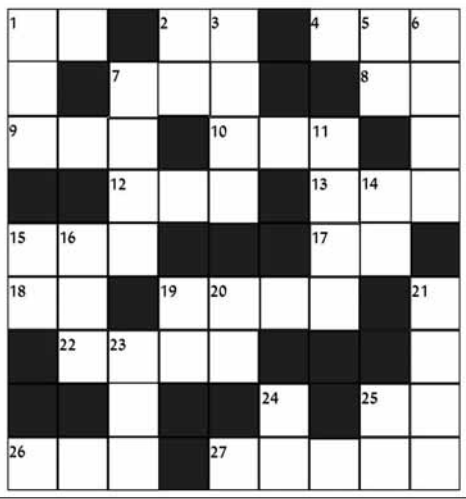

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 96 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

सू-दोकू-97

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
			3					2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.96 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6